बून्दी जिले में कृषि फसलों का स्थानिक एवं सामयिक प्रतिरूप

* मीठा लाल मीणा

सामान्य परिचय

प्राचीन काल से ही बून्दी जिला कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाला जिला रहा है, जहाँ कुल जनसंख्या का लगभग 32.57 प्रतिशत भाग कृषि एवं सम्बन्धित आर्थिक क्रियाओं में संलग्न है। बून्दी जिले का कृषि प्रधान औद्योगिक भू–दृश्य एवं विकास भी कृषि उत्पादन व विविधता का ही परिणाम है। जिले की भौगोलिक दशाएँ विभिन्न प्रकार की फसलों के उत्पादन के लिए अनुकूल वर्ष 2014–15 में बून्दी जिले के सकल बोया गया भौगोलिक क्षेत्रफल का 62.28 प्रतिशत भाग सकल सिंचित क्षेत्र के अन्तर्गत है।[1] जिले में कृषि की आदर्श दशाएँ उपलब्ध है। फलस्वरूप बून्दी जिले में कृषि का पर्याप्त विकास हुआ है, किन्तु प्रतिकूल एवं विविधतायुक्त भौगोलिक परिस्थितिया जैसे – वर्षा, तापमान, सिंचाई, मृदा, तकनीकी, सामाजिक–आर्थिक प्रगति तहसील अनुसार स्थानिक कृषि उत्पादन प्रतिरूप को प्रभावित करती है। अतः बून्दी जिले के कृषि उत्पादन प्रतिरूप में पर्याप्त विभिन्नता पाई जाती है। बून्दी जिले में उत्पादित की जाने वाली फसलों को तीन वर्गों में विभक्त किया गया है –

1. रबी की फसल (उनालू की फसल)
2. खरीफ की फसल (स्यालु की फसल)
3. जायद की फसल

अध्ययन क्षेत्र : एक परिचय

अध्ययन क्षेत्र बून्दी जिला राजस्थान राज्य के दक्षिण–पूर्व में स्थित है। यह मैदानों, पठारीं एवं पहाडियों का मिलाजुला स्वरूप हैं। बून्दी जिला इतिहास में प्रेम, बलिदान, शौर्य व त्याग की कहानियाँ समेटे हूये हैं। कुण्ड तथा बावडियों की इस ऐतिहासिक नगरी को सिटी ऑफ स्टेपवेल्स भी कहा जाता है। सन् 1241 में हाडा वशं के श्री राव देवा ने मीणा सरदारों से जीता और बून्दी राज्य की स्थापना की। प्रशासनिक दृष्टि से 1987 के दौरान अस्तित्व में आया। 15 जनवरी 1987 में संभागीय व्यवस्था के अन्तर्गत राजस्थान राज्य कों 7 संभागों में विभाजित किया गया हैं, जिनमें बून्दी जिला कोटा संभाग में सम्मिलित है। बून्दी जिले की आकृति अनियमित समलम्ब चतुर्भज के समान है, जो पूर्व की ओर झूका हुआ है। जिला की भौगोलिक सीमाएँ 24º59'11" से 25º53'11" उत्तरी अक्षांश तथा 75º19'30" से 76º19'30" पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है।[2] जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार बून्दी जिले का कुल क्षेत्रफल 5763.00 वर्ग किलोमीटर है।

क्षेत्रफल की दृष्टि से बून्दी जिले का राजस्थान में 22 वाँ स्थान है। बून्दी जिले का उत्तर से दक्षिण विस्तार 104.6 कि.मी. तथा पूर्व से पश्चिम विस्तार 111 कि.मी. है।[3] बून्दी जिले के उत्तर में टोंक जिला, पश्चिम में भीलवाड़ा, दक्षिण–पश्चिम में चित्तौड़ तथा दक्षिणी में कोटा स्थित है जो चम्बल नदी द्वारा बून्दी जिले से विभाजित होता है।

मानचित्र नं. 1 बून्दी तहसील की भौगोलिक स्थिति

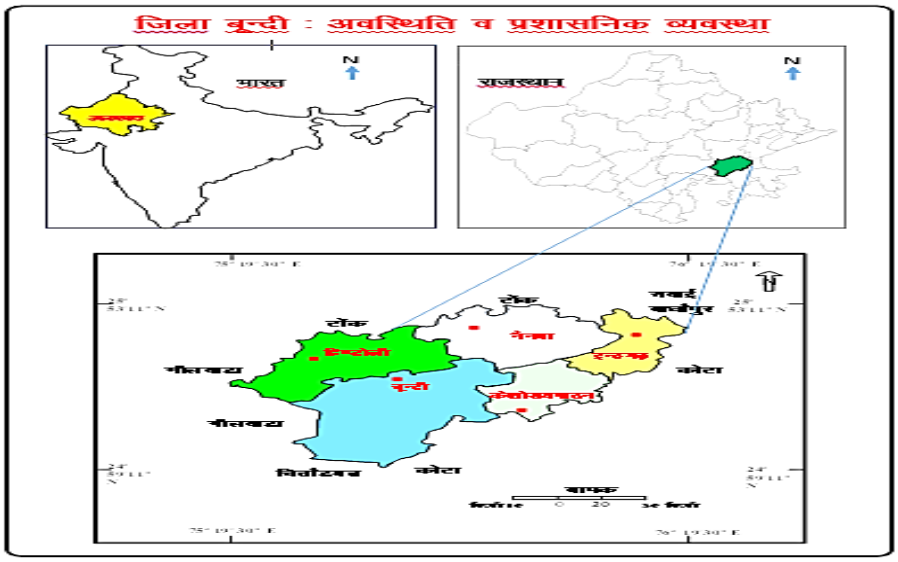

स्त्रोत : स्थलाकृतिक पत्रक , भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जयपुर (2005).

उद्देश्य

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन में निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं।

1. बून्दी जिले में कृषि का स्थानिक एवं सामयिक प्रतिरूप का अध्ययन करना।
2. अध्ययन क्षेत्र में विभिन्न तहसीलों कें अन्तर्गत फसल उत्पादन एवं उत्पादकता के स्तर को जानना।

शोध–प्रश्न

प्रस्तुत लघु शोध प्रपत्र में निम्न प्रश्न निर्धारित किये गये हैं।

1. बून्दी जिले में कृषि का स्थानिक एवं सामयिक प्रतिरूप किस प्रकार से है?
2. अध्ययन क्षेत्र में विभिन्न तहसीलों कें अन्तर्गत फसल उत्पादन एवं उत्पादकता किस प्रकार से है?

शोध–प्रविधियाँ

अध्ययन क्षेत्र में कृषि का स्थानिक एवं सामयिक प्रतिरूप के विश्लेषण करने के लिये द्वितीयक आंकड़ों को उपयोग में लिया गया हैं। है। इनके अतिरिक्त भूगोल विषय में प्रयुक्त जैसे– आरेख विधि, सारणीकरण विधि एवं मानचित्रों का प्रयोग किया हैं।

शोध–विश्लेषण

फसलों का तहसील अनुसार क्षेत्र वितरण प्रतिरूप

तालिका – 1
जिला बून्दी : फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र

(क्षेत्रफल–हैक्टयर में)

क्र.स.	वर्ष	फसलें				
		अनाज	दलहन	तिलहन	मसाले	फल–सब्जी
1.	1994–95	171001	39110	93185	2174	317
2.	1995–96	169440	34422	64412	266	148
3.	1996–97	184863	25566	117324	4127	412
4.	1997–98	194463	20829	129700	4999	2416
5.	1998–99	210311	29277	116840	2228	2474
6.	1999–00	215535	14851	110907	1179	2183
7.	2000–01	195730	29082	78206	3653	2916
8.	2001–02	180779	44196	100252	7998	2827
9.	2002–03	1153685	42956	69781	7875	2872
10.	2003–04	172660	42086	115014	10714	2743
11.	2004–05	124658	9479	202534	2167	2974
12.	2005–06	142175	11453	210047	6053	2435
13.	2006–07	156050	16087	172899	2897	2813
14.	2007–08	187787	36921	150098	4711	2904
15.	2008–09	179482	23265	180634	10532	2834
16.	2009–10	187409	28515	141746	7303	2469
17.	2010–11	228377	43163	144034	7042	2524
18.	2011–12	221821	61968	152046	8508	2765
19.	2012–13	219416	54416	169431	2909	2785
20.	2013–14	221784	47841	165410	2403	2935
21.	2014–15	244104	60511	143430	4838	2716

स्त्रोत : जिला भू–अभिलेख प्रतिवेदन (2016), बून्दी

आरेख – 1
जिला बून्दी : फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल

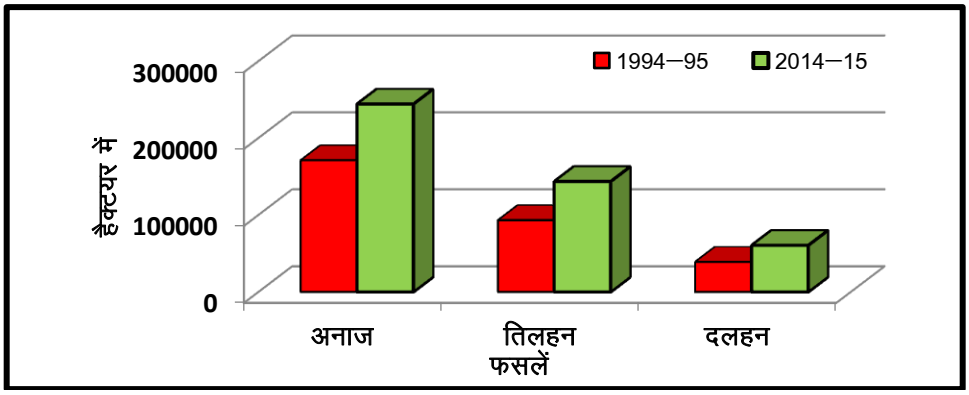

आरेख – 2
जिला बून्दी : फसलों के अन्तर्गत
तहसील अनुसार क्षेत्रफल (2014–15)

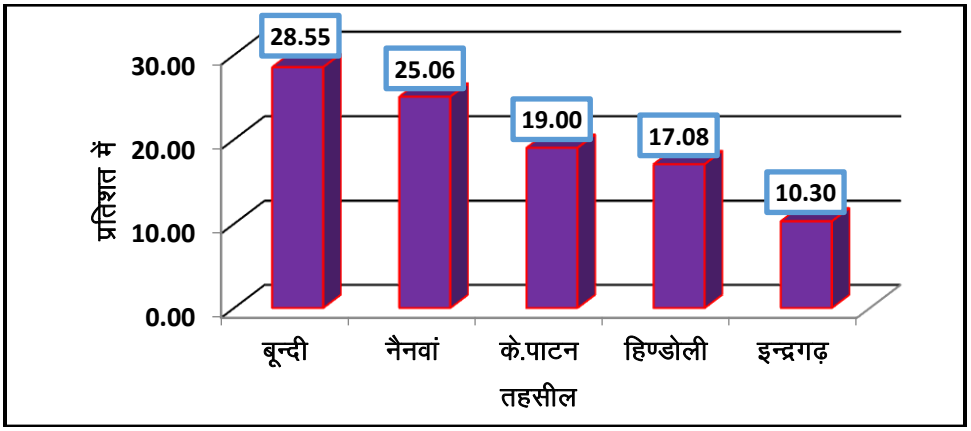

बून्दी जिले में विभिन्न प्रकार के **अनाज, दलहन, तिलहन, मसाले** एवं फल–**सब्जीयों** की फसलें समान रूप से उत्पन्न की जाती हैं जिनमें खाद्यान्न, व्यापारिक तथा औद्योगिक फसलें भी सम्मिलित है, जो जिले की अर्थव्यवस्ता में प्रमुख योगदान रखती है। किन्तु तहसील स्तर पर इस फसल उत्पादन प्रतिरूप में पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है। प्रत्येक तहसील में भिन्न–भिन्न प्रकार की फसलों की प्रधानता दिखाई देती है। तालिका व आरेख 3.4 में बून्दी जिले में विभिन्न प्रकार की फसलों के अन्तर्गत उत्पादक क्षेत्र प्रतिरूप दर्शाया गया है।

वर्ष 1994–95 में अनाजों के अर्न्तगत क्षेत्रफल 171001 हैक्टर था जो वर्ष 2014–15 में 42.75 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 244104 हैक्टेयर हो गया है।[4] दलहन एवं तिलहन के बुआई के क्षेत्रफल के अन्तर्गत वर्ष 1994–95 की अपेक्षा वर्ष 2014–15 में क्रमशः 53.92 एवं 54.72 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बून्दी जिले में सर्वाधिक क्षेत्र पर बोई जाने वाली फसलों में क्रमशः गेहु, सोयाबीन, सरसों, उड़द एवं चावन है, जो क्रमशः कुल कृषित क्षेत्र के 37.43 प्रतिशत, 18.29 प्रतिशत, 11.56 प्रतिशत, 8.69 प्रतिशत एवं 7.47 प्रतिशत क्षेत्र पर बोई जाती है।

फसल उत्पादन प्रतिरूप

अध्ययन क्षेत्र में जलवायवीय एवं भौगोलिक दशाएँ तहसील स्तर पर भिन्न –भिन्न पाई जाती है। फलस्वरूप प्रत्येक तहसील में फसल उत्पादन प्रतिरूप भी भिन्न–भिन्न पाया जाता है। जिले में कहीं खाद्यान्न फसलों की प्रधानता है तो कहीं औद्योगिक एवं व्यवसायिक फसलों का उत्पादन किया जाता है। बून्दी जिले में उत्पादित की जाने वाली फसलों में गेहूँ, चावल, मक्का, सरसों, सोयाबीन, मसाले, गन्ना, फल–सब्जी, दलहन आदि हैं। बून्दी जिला कोटा संभाग का 44.08 प्रतिशत अनाज, 60.64 प्रतिशत दालें, 40.54 प्रतिशत तिलहन उत्पादित करता है।[5]

तालिका एवं आरेख 3.6 में बून्दी जिले में तहसील अनुसार फसल उत्पादन प्रतिरूप दर्शाया गया है। जिसके विश्लेषण से स्पष्ट है कि वर्ष 2014–15 में बून्दी जिले में कृषि उत्पादन की दृष्टि से बून्दी तहसील का प्रथम स्थान रहा जिसने बून्दी जिले के कुल कृषि उत्पादन का 40.03 प्रतिशत उत्पादित किया।[6] द्वितीय व तृतीय स्थान पर केशवरायपाटन एवं नैनवां तहसीलें रही जिन्होंने कुल उत्पादन का क्रमशः 23.97 एवं 13.55 प्रतिशत उत्पादित किया। कृषि उत्पादन की दृष्टि से इन्द्रगढ़ तहसील में सबसे कम उत्पादन(8.94 प्रतिशत) हुआ है। हिण्डोली तहसील द्वारा जिले के कुल उत्पादन का 13.50 प्रतिशत उत्पादन किया है। बून्दी जिले में वर्ष 2014–15 में उत्पादन की दृष्टि से अनाज फसलों में गेहूँ की फसल प्रथम स्थान पर रही है, जो कुल कृषि उत्पादन का 39.91 प्रतिशत है।[7]

तालिका – 2
जिला बून्दी : तहसील अनुसार कृषि उत्पादन

(मैट्रिक टन में)

क्र. स.	तहसील	अनाज	दलहन	तिलहन	मसाले	सब्जी	गन्ना	कुल
1.	बून्दी	167725	648	24643	1322	30	405	194773
2.	के.पाटन	59834	2797	53622	374	0	10	116637
3.	इन्द्रगढ़	15235	5921	20908	1410	0	14	43488
4.	नैनवां	12948	20543	24833	14	0	7590	65928
5.	हिण्डोली	52653	3449	7197	151	79	2155	65684
6.	बून्दी जिला	308395	33358	131203	3271	109	10174	486510

स्त्रोत – जिला भू–अभिलेख प्रतिवेदन, बून्दी 2016

आरेख – 3
जिला बून्दी : तहसील अनुसार कृषि उत्पादन (2014–15)

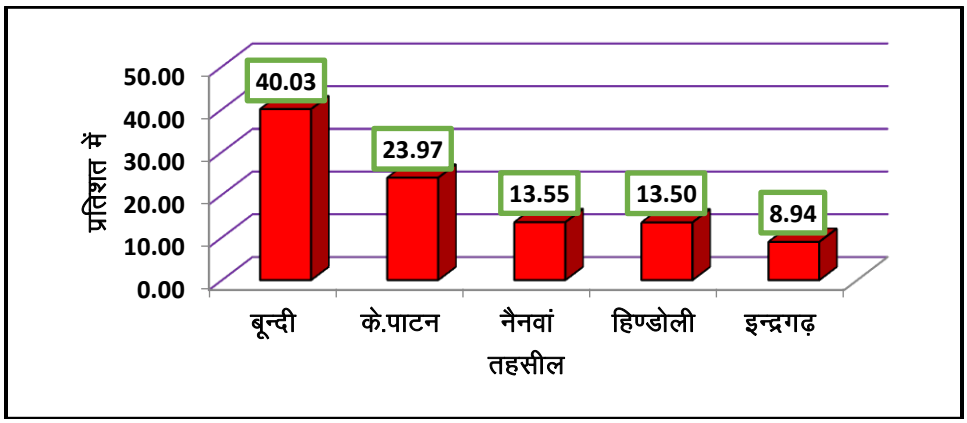

आरेख – 4
जिला बून्दी : प्रमुख फसलों का औसत उत्पादन (2014–15)

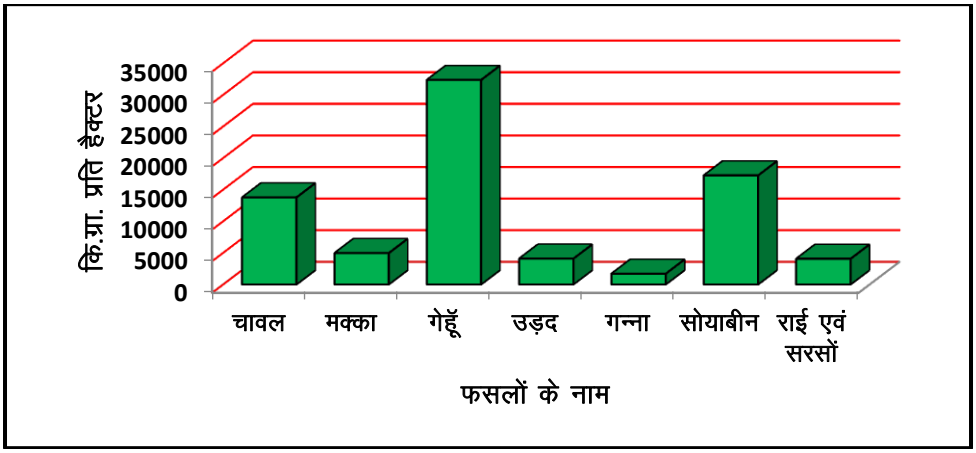

सारांश एवं निष्कर्ष

बून्दी जिले के कृषि उत्पादन प्रतिरूप का प्रतिदर्श अध्ययन करने से स्पष्ट है कि बून्दी जिले के कृषि उत्पादन प्रतिरूप में तहसील अनुसार पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है, जिसका प्रमुख कारण भौगोलिक दशाएँ एवं जल की उपलब्दता रही है। जिन तहसील में सिंचाई के साधन पर्याप्त मात्रा में है वहाँ पर कृषि उत्पादन उच्च पाया गया है। बून्दी जिले में फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र की दृष्टि से बून्दी तहसील प्रथम

पायदान पर है जहाँ पर 131984 हैक्टयर क्षेत्र कृषि कार्य के अन्तर्गत है जबकि अन्तिम पायदान पर इन्द्रगढ़ है जहाँ केवल 47632 हैक्टेयर क्षेत्र कृषि के अन्तर्गत है। अतः फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक क्षेत्रफल अनाज फसलों के अन्तर्गत है।

बून्दी जिला कुल अनाज उत्पादन की दृष्टि से कोटा संभाग में प्रथम स्थान रखता है। कुल कृषि उत्पादन में तिलहन के अन्तर्गत सर्वाधिक योगदान सोयाबीन का रहा जिससे कुल कृषि उत्पादन का 21.28 प्रतिशत प्राप्त हुआ। जबकी दलहन के अन्तर्गत उड़द कुल कृषि उत्पादन का 5.04 प्रतिशत प्रदान कर प्रथम स्थान पर रही है। बून्दी जिले का कुल कृषि उत्पादन 486510 मैट्रिक टन है। कुल कृषि उत्पादन का 63.39 प्रतिशत खाद्यान्नों से तथा 26.97 प्रतिशत तिलहन से, 6.86 प्रतिशत दलहन से एवं 0.67 प्रतिशत मसालों से प्राप्त होता है।

***शोधार्थी,**
भूगोल विभाग,
कोटा विश्वविद्यालय,
कोटा (राज.)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Statistical Year Book of Rajasthan (2017),P-134
2. स्थलाकृतिक पत्रक(2016), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जयपुर
3. मोहम्मद, उस्मान (2010) ''बून्दी जिले में मानव संसाधन एवं कृषि विकास के स्तर का अध्ययन, पीएच.डी. शोध ग्रन्थ, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा, पृ.सं. 26
4. जिला सांख्यिकी रूपरेखा 1996, जिला बून्दी, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान, जयपुर, पृ.सं. 33
5. गौतम, भारतेन्दु(2010) ''कृषि आधारित उधोगों का स्थानिक–सामयिक विश्लेषण जिला बून्दी का एक प्रतिक अध्ययन'' पीएच.डी. शोध ग्रंथ, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा पृ.सं. 68
6. जिला सांख्यिकी रूपरेखा 2016, जिला बून्दी, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान, जयपुर, पृ.सं. 19
7. जिला सांख्यिकी रूपरेखा 2016, जिला बून्दी, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान, जयपुर, पृ.सं. 19